INSTITUTE OF ADVANCED STUDIES IN EDUCATION BILASPUR

Name – Dr. Nishi Bhambari
Class – B.Ed IInd Year
Subject - Learning and Teaching
Paper – I
Unit – 5th Learning and Diversity
Topic – Learning Styles

Objectives –

बी.एड. प्रशिक्षार्थी अधिगम शैली के विभिन्न प्रकारों को उदाहरणों के माध्यम से समझ सकेंगे।

Content – Learning Styles

- Learning Styles are different methods of learning or understanding new information.
- Learning Styles are the way a person takes in understand, express and remember information.

Types of Learning Styles

बच्चे कई तरीकों से सीखते हैं, जैसे – सुनकर, पढ़कर, बोलकर, खेलकर, काम करते हुए एवं तर्क करके आदि सीखने की प्रक्रिया के पश्चात बच्चों के व्यवहार में परिवर्तन आता है। बच्चे सीखने के पश्चात अपने ज्ञान को व्यवस्थित करते हैं। बच्चों में सीखने के कई तरीकें में किसी भी एक अधिगम शैली की प्रधानता हो सकती है। एक से अधिक तरीकों से बच्चा सीखता है।

हार्वड गार्डनर के द्वारा Multiple Intelligence की अवधारणा एवं प्रकार को स्पष्ट किया गया है। Learning Styles के प्रकारों को Multiple Intelligence के प्रकारों के आधार पर समझा जा सकता है।

1. दृश्यात्मक अधिगम शैली (Visual/Spatial)

ऐसे बच्चे जिनमें Visual Learning Style की प्रधानता होती है, तो बच्चों के समक्ष कक्षा में चित्र, चार्ट, बोर्ड में प्रदर्शन, मानचित्र, ग्लोब, मॉडल का प्रदर्शन, विडियो, सामग्री का प्रदर्शन, माइंड मेपिंग, फिल्म, प्रदर्शनी, रोल प्ले, शैक्षिक विडियो गेम, Virtual Experiment आदि का प्रयोग शिक्षण प्रक्रिया में किए जाने पर Visual Style वाले बच्चे जल्दी सीखते हैं। इस प्रकार की शैली में बच्चे दूसरे व्यक्तियों के चेहरे के हाव–भाव को जल्दी समझ लेते हैं। इस शैली के बच्चों में फोटोग्राफी, एवं टेक्नालॉजी की समझ अधिक होती है।

Visual Learning Style वाले बच्चों को उनको अपने सीखी गई विषयवस्तु को लिखकर प्रस्तुत करने के बजाय सृजनात्मक एवं Visual रूप से प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करें। बच्चों से श्यामपट पर प्रश्नों को हल करवाएं। शैक्षिक खेल, Visual Writing Tools का प्रयोग करें जैसे– ग्राफीक, आर्गेनाईजर, फिल्म, PPT Presentation Visual Aids का प्रयोग कक्षा में अधिक करें।

2. मौखिक/श्रृव्य अधिगम शैली (Aural/Auditory)

ऐसे बच्चे जिनमें Aural Learning Style की प्रधानता होती है, जो सुनकर जल्दी सीखते हैं। तो बच्चों के समक्ष कक्षा में व्याख्यान प्रस्तुत करना, मौखिक प्रस्तुतीकरण, कक्षा में समूह चर्चा करवाना, मौखिक निर्देश देना, संगीत के माध्यम से सीखना, वादविवाद, पुस्तक वाचन, कहानी कहना, सुनना आदि का प्रयोग शिक्षण प्रक्रिया में करने पर auditory style के बच्चे जल्दी सीख लेते हैं। ऐसे बच्चे शोरगुल में स्वयं को केन्द्रित नहीं कर सकते हैं। मौखिक निर्देशों को जल्दी समझते हैं।

बच्चे कैसे सीखें – Auditory Learning Style वाले बच्चों के लिए पुनरावृत्ति की प्रक्रिया अपनाई जाए, कक्षा में व्याख्यान देने पर बच्चों को अनुसरण करवाएं। प्रश्नोत्तर के माध्यम से सीखना ऐसे बच्चों के लिए प्रभावशाली होता हैं वादविवाद के माध्यम से उनको आपस में साथियों के साथ अंतःक्रिया करने के लिए प्रेरित करें। गीत/संगीत के माध्यम से सीखने हेतु प्रेरित करें। बच्चों की Reading Skills को बढ़ाने के लिए शिक्षक कार्य करें। कक्षा में बच्चे के द्वारा जो उत्तर दिया जाता है, वाचन किया जाता है, प्रश्नोत्तर में सहभागिता, वादविवाद आदि गतिविधियों की recording कराई जाए। ताकि बच्चे अपनी अभिव्यक्ति कर सकें। बच्चों

को समूह कार्य, प्रोजेक्ट कार्य देवें। किसी वस्तु, घटना का चित्र आदि को दिखाकर उस विषयवस्तु के संबंध में कहानी, वितरण एवं अपने विचार रखने को कहें। शाब्दिक खेल करवाए जाएं। आरोह, अवरोह, लय सहित पद्य को बच्चे शीघ्रता से समझते हैं। Audio Video lessons के माध्यम से कक्षा शिक्षण प्रभावशाली होता हैं Auditory Style के बच्चे शीघ्रता से सीखते हैं।

3. शाब्दिक अधिगम शैली (Verbal/Linguistic)

ऐसे बच्चे जिनमें Verbal Style की प्रधानता होती है, जो शब्दों और वाक्यों का उचित प्रयोग अपने विचारों को प्रस्तुत करने में करते हैं। ऐसे बच्चों में मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति के माध्यम से सीखना एवं वादविवाद से सीखने की प्रधानता रहती है।

बच्चे कैसे सीखें – Verbal Learning Style वाले बच्चों के लिए Creative writing का अभ्यास, नए–नए शब्दों का प्रयोग, पढ़ने एवं लेखन की गतिविधियों के माध्यम से सीखने हेतु बच्चों को प्रेरित करें। शब्दों का खेल, स्पेलिंग, भाषायी खेल, गणितीय खेल आदि गतिविधियां बच्चों के समूह में करवाएं। ऐसे गतिविधियों की प्रधानता हो जिसमें पठन कौशल, श्रवण कौशल, श्रुत लेखन, शाब्दिक भण्डार को बढ़ाने हेतु गतिविधियां सम्मिलित हों। लिखित सामग्री की समीक्षा करवाएं, कहानी लिखने script लिखने, चर्चा विधि आदि गतिविधियों का अभ्यास करवाएं।

4. तार्किक अधिगम शैली (Logical/Mathematical)

ऐसे बच्चे जिनमें Logical Learning Style की प्रधानता होती है वे बच्चे तार्किक चिंतन के माध्यम से जल्दी सीखते हैं। इन बच्चों में समस्या समाधान करने के योग्यता होती है। शिक्षक के द्वारा कक्षा में वैज्ञानिक चिंतन, वैज्ञानिक ढंग से खोज प्रवृत्ति के माध्यम से समस्याओं को हल करने हेतु प्रेरित करना चाहिए। Logical learning style के बच्चे गणित, विज्ञान, कम्प्यूटर प्रोग्राम आदि विषयों की समस्याओं को तार्किक ढंग से हल करने की योजना बना सकते हैं। वे बच्चे संगठित ढंग से कार्य करने की योग्यता, लक्ष्य निर्धारण करने में सक्षम तथा नियमों के आधार पर वस्तुनिष्ठ तरीके से कार्य करते हैं।

कैसे सिखाएं – Logical Learning Style वाले बच्चों को गणितीय संक्रियाओं का तार्किक ढंग से हल करने हेतु प्रेरित करें। दृश्य, श्रृव्य सामग्रियों एवं E-Learning के माध्यम से सीखने का प्रयास करवाएं। स्व अध्ययन के लिए प्रेरित करें। बच्चों को स्वयं प्रश्न बनाकर, उत्तर ढूंढने के लिए प्रेरित करें। इतिहास विषय में बच्चों को विषय वस्तु की समीक्षा करने हेतु प्रेरित करें भूतकाल के परिप्रेक्ष्य में वर्तमान संदर्भ में एवं भविष्य के संदर्भ में समीक्षा हेतु प्रेरित करना। क्या, क्यों, कैसे आदि समालोचनात्मक प्रश्नों के माध्यम से बच्चों को सीखने हेतु प्रेरित करना उचित है।

गति संवेदी/क्रियात्मक अधिगम शैली (Physical/Kinesthetic)

ऐसे बच्चो जिनमें Kinesthetic Learning Style की प्रधानता होती है उन बच्चों में शारीरिक क्रियाओं के माध्यम से करके सीखने की प्रधानता होती है। ऐसे बच्चों में गत्यात्मक कार्य की प्रधानता, स्वयं गतिविधियां करना, प्रोजेक्ट कार्य, प्रायोगिक कार्य, निष्पादन कार्य स्व अधिगम सामग्री निर्माण आदि सीखने की गतिविधियों की प्रधानता रहती हैं। शैक्षिक भ्रमण में रूचि रखते हैं। नवाचार करने हेतु शिक्षकों को प्रेरित करना चाहिए।

कैसे सिखाएं – करके सीखने पर आधारित शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में बच्चों की सहभागिता से बच्चे स्वयं प्रयोग कर प्रोजेक्ट बनाकर सीखें, सृजनात्मक कार्य बच्चों को करने हेतु प्रेरित करें।

सामाजिक/पारस्परिक अधिगम शैली (Social/Interpersonal)

ऐसे बच्चो जिनमें Interpersonal Learning Style की प्रधानता होती है वे बच्चें Peer Learning के द्वारा जल्दी सीखते हैं। दोस्तों के साथ मिलकर एक दूसरे को सहयोग देकर सीखने पर जोर देते हैं। शिक्षक बच्चों को Cooperative Learning के माध्यम से सीखने हेतु प्रेरित करें। समूह चर्चा, समूह में प्रोजेक्ट कार्य, सेमीनार आदि कक्षा शिक्षण प्रक्रिया Interpersonal Learning Style के बच्चों के लिए प्रभावशाली होती है।

कैसे सिखाएं – Interpersonal Learning Style वाले बच्चों को cooperative learning के माध्यम से जैसे समूह चर्चा, सेमीनार, Zig-saw, Think pair and share, शैक्षिक भ्रमण, विज्ञान क्लब, बुक क्लब आदि तरीकों का प्रयोग करना किया जाना उचित होता है।

अंतवैर्यक्तिक अधिगम शैली Solitary (Intrapersonal)

ऐसे बच्चे जिनमें Intrapersona Learning Style की प्रधानता होती है वे बच्चें स्व अध्ययन करना, अकेले स्वतंत्र रूप से स्व जागरूक होकर समस्याओं को हल ढूंढ़ने का प्रयास करता है। शांत वातावरण में सीखना, डायरी लिखना एवं रिफलेक्टिव डायरी लिखकर अपने कार्यो में सुधार करने का प्रयास करता

कैसे सिखाएं – Intrapersonal Learning Style वाले बच्चों को डायरी लिखना, विषय सामग्री ढूंढना, आर्टिकल बनाने हेतु प्रेरित करना चाहिए। बच्चों की समस्याओं के निराकरण हेतु शिक्षक द्वारा मार्गदर्शन देना ताकि वे स्वयं समस्याओं का हल ढूंढने का प्रयास करें, उनको अपनी रूचि के अनुसार विषयों को सीखने हेतु प्रेरित करना। शैक्षिक भ्रमण साथियों के साथ मिलकर सीखने हेतु प्रेरित करना। E-Learning पुस्तकालय अध्ययन हेतु प्रेरित करें। ऐसे बच्चे Data analysis करने की प्रधानता शोध कार्यों में बच्चे रूचि लेते हैं। इसलिए प्रोजेक्ट कार्य, इन्क्वारी विधि का प्रयोग करना उचित होता है।

आकलन –

विभिन्न Learning Styles की उदाहरण सहित व्याख्या करें।